जलवायु घड़ी को देख पर्यावरण बचाव संभव

भास्कर संवाददाता | नागपुर. सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी) ने एनर्जी स्वराज फाउंडेशन (ईएसएफ) के सहयोग से शनिवार को विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ईएसएफ के तकनीकी एवं अनुसंधान विभाग की अधिकारी भूमिका परिहार ने जलवायु घड़ी व इसके महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जलवायु घड़ी को देख पर्यावरण पर हो रहे विपरीत प्रभाव को नियंत्रित करना व पर्यावरण बचाव करना संभव है। इसलिए ईएसएफ ने अटल इनोवेशन मिशन व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से विश्व की सबसे बड़ी ग्लोबल क्लाइमेट क्लॉक असेंबली नामक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह कार्यक्रम दिल्ली में होगा। उन्होंने बताया कि करीब 10 हजार जलवायु घड़ियों को विविध इमारतों पर स्थापित किया जाने वाला है। लाखों लोग इस जलवायु घड़ी को देख जलवायु सुधार में स्वयंप्रेरित होकर योगदान करेंगे।